मानव जीवन धूल की तरह होता है, हम इसे रो-धोकर इसे कीचड़ बना देते हैं।
- बकुल वैद्य

इंफोनिक
एक ई-शासन सूचनापत्र
एनआईसी छत्तीसगढ़

समसामयिकी

मंथली वर्क रिपोर्ट (MWR) अप्लीकेशन लॉन्च

डी.आई.ओ. एमडब्ल्यूआर प्रणाली का विमोचन दिनांक 21.04.22 को मंत्रालय महानदी भवन में एनआईसी की छत्तीसगढ़ इकाई में डॉ के.पी. सिंह, आईएएस, सचिव द्वारा किया गया। उन्होंने कहा कि एमडब्ल्यूआर प्रणाली का उद्देश्य अधिकारियों को अपनी तकनीकी गतिविधियों, शासन सेवाओं, ज्ञान वृद्धि, अनुसंधान और प्रकाशन में शामिल होने की स्वतंत्रता प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि डी.आई.ओ. और ए.डी.आई.ओ. के लिए एक मासिक कार्य रिपोर्टिंग प्रणाली शुरू करके, आत्म-मूल्यांकन के लिए एक मंच बनाया गया है। इससे व्यक्तिगत स्तर पर योजना बनाने में मदद मिलेगी और लक्ष्यों की उपलब्धि सुनिश्चित होगी।

डीडीजी और राज्य समन्वयक श्री संजय कपूर ने डी.आई.ओ. तकनीकी विकास कार्यक्रम के तहत शुरू की गई इस प्रणाली की गतिविधियों के क्रियान्वयन की एनआईसी राज्य इकाई रायपुर की प्रसंशा की।

श्री संजय कपूर, डीडीजी और एनआईसी छत्तीसगढ़ के राज्य समन्वयक का दौरा

श्री संजय कपूर, डीडीजी, एनआईसी मुख्यालय, नई दिल्ली ने एनआईसी छत्तीसगढ़ की अपनी पहली यात्रा की थी। पहले दिन, उन्होंने एचओडी के साथ बातचीत की, जिसमें एचओडी ने उन्हें राज्य और जिला स्तर पर चल रही परियोजनाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने आधार एक्ट के दिशा-निर्देशों को पूरा करते हुए आधार वॉल्ट का उपयोग करने की सलाह दी।

उन्होंने एनकेएन सुविधा को देखा और एनकेएन 2.0 लागू होते ही जिलों में दोहरी कनेक्टिविटी के लिए योजना बनाने की सलाह दी। उन्होंने सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव श्री डी डी सिंह, आईएएस के साथ बैठक की और मंत्रालय के लिए क्लाउड अवसंरचना स्थापित करने के लिए एनकेएन के पास 2500 वर्ग फुट की जगह का अनुरोध किया।

दोपहर में उन्होंने इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय (आईजीकेवी) का दौरा किया और विश्वविद्यालय में लागू किए जा रहे विभिन्न अनुप्रयोगों को देखा। उन्होंने कुलपति डॉ गिरीश चंदेल के साथ बैठक की और पूर्वानुमानित विश्लेषण और किसानों को सक्रिय सेवाएं प्रदान करने के लिए एआई और डेटा एनालिटिक्स आधारित समाधानों के कार्यान्वयन के बारे में चर्चा की।

अपनी यात्रा के दूसरे दिन उन्होंने डॉ के पी सिंह, आईएएस, कृषि उत्पादन आयुक्त और जीएडी के सचिव के साथ बैठक की और एनईजीपी-ए 2.0 के तहत उभरती प्रौद्योगिकियों के उपयोग के बारे में चर्चा की।

उन्होंने सर्वर और क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर को देखा। उन्होंने ओपन सोर्स आधारित क्लाउड मैनेजमेंट सिस्टम स्थापित करने के लिए टीम के प्रयासों की सराहना की।

उन्होंने एनआईसी छत्तीसगढ़ में विकसित किए गए अभिनव समाधानों जैसे डिजिटल हस्ताक्षर के लिए डिजिसाइन टूल, आकलन के लिए TelePractice और NICler टूल्स, शबरी- ई-कॉमर्स पोर्टल आदि पर विचार किया।

उन्होंने मंत्रालय में आयोजित तकनीकी विकास कार्यक्रम में शामिल होने वाले सभी राज्य स्तरीय अधिकारियों और डीआईओ को संबोधित किया। उन्होंने डीआईओ के साथ एक खुला और इंटरैक्टिव सत्र किया और अपने क्षेत्र स्तर के अनुभवों के आधार पर उनके प्रश्नों को संबोधित किया।

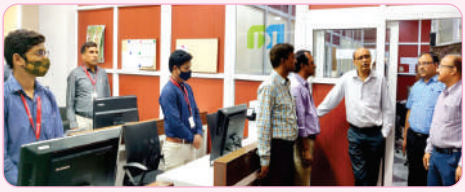

एनआईसी छत्तीसगढ़ द्वारा स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन

एनआईसी छत्तीसगढ़ राज्य केंद्र द्वारा 20 अप्रैल, 2022 को रेड क्रॉस सोसाइटी के समन्वय के साथ महानदी भवन, मंत्रालय, नवा रायपुर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया था। आजादी के 75 साल पूरे होने का जश्न मनाने के लिए आजादी का अमृत महोत्सव के एक भाग के रूप में 75 यूनिट रक्त संग्रह के लक्ष्य के साथ शिविर का आयोजन किया गया था।

शिविर का उद्घाटन छत्तीसगढ़ सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) के सचिव श्री डीडी सिंह ने एनआईसी के उप महानिदेशक एवं छत्तीसगढ़ राज्य

समन्वयक श्री संजय कपूर, जीएडी के संयुक्त सचिव श्री संजय अग्रवाल और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

शिविर से पूर्व रक्तदान पर प्रेरक सत्र का आयोजन किया गया जिसे इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी के वरिष्ठ सलाहकार सुदीप श्रीवास्तव ने संबोधित किया। मंत्रालय बसों में और कर्मचारियों के बीच रक्तदान पर पर्चे वितरित किए गए।

एनआईसी अधिकारियों, एनआईसीएसआई के कर्मचारियों और मंत्रालय के कर्मचारियों द्वारा 92 यूनिट रक्त उदारतापूर्वक दान किया गया था। रक्तदाताओं को दान के प्रमाण पत्र, एक दाता कार्ड और इस नेक काम के प्रति उनके हिस्सेदारी के लिए एक उपहार बैग से सम्मानित किया गया।

श्री पी रामाराव, एएसआईओ (जिला) और कल्याण अधिकारी, श्री पीके मिश्रा, डीआईओ रायपुर, श्री मनीष कोचर, तकनीकी निदेशक श्री ऋषि राय और श्रीमती श्वेता चौबे, वैज्ञानिक-बी ने स्वयंसेवकों की अपनी टीम के साथ पूरे समर्पण के साथ शिविर का प्रबंधन किया।

समसामयिकी

एनआईसी रायपुर द्वारा केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, रायपुर, छत्तीसगढ़ में 'साइबर सुरक्षा व्याख्यान'

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) छत्तीसगढ़ ने 'साइबर सुरक्षा जागरूकता सप्ताह' के एक भाग के रूप में

सीबीआई के अधिकारियों के लिए चार दिवसीय साइबर अपराध जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया। श्री श्रीकांत पांडे, वैज्ञानिक–सी, एनआईसी छत्तीसगढ़ राज्य केंद्र, रायपुर को आयोजन के समापन सत्र के दौरान 7 अप्रैल 2022 को व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया।

कार्यक्रम में अतिथि और सीबीआई के सभी अधिकारी, एएसपी, निरीक्षकों और अन्य कर्मचारियों का स्वागत करते हुए, श्री अजय कुमार (पुलिस अधीक्षक, सीबीआई, छत्तीसगढ़) ने कहा कि साइबर सुरक्षा और साइबर फोरेंसिक का मामला सीबीआई के लिए बहुत अधिक महत्वपूर्ण है।

श्री पांडे ने 'साइबर सुरक्षा' पर अपने सत्र के दौरान महत्वपूर्ण व्यक्तिगत/निजी जानकारी को इंटरनेट पर रखने या साझा करने के फायदे और नुकसान का उल्लेख किया। आज के आईटी बुनियादी ढांचे जैसे वित्तीय संस्थानों, बिजली नियंत्रण प्रणालियों, आईओटी उपकरणों आदि पर साइबर हमलों के खतरे के प्रभाव के बारे में बात की गई।

सीबीआई अधिकारियों द्वारा उठाए गए प्रश्नों को श्री पांडे ने संबोधित किया।

अपने समापन भाषण में, श्री अजय कुमार ने साइबर धोखाधड़ी के शीघ्र समाधान के लिए सरकार, आईटी निकायों और सेवाओं के सहयोग और उच्च प्रशिक्षित आईटी कर्मचारियों की तैनाती और लाभ उठाने का सुझाव दिया।

माटा कबूड़ी (संदेश वाहक)– जिला दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा

विकास योजनाओं की जानकारी

- कृषि विभाग – बीज संवर्धन योजना (गोंडी)
- छ. ग. राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन – बिहान (पार्ट –1 गोंडी)
- छ. ग. राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन – बिहान (पार्ट –2 गोंडी)
- अक्षय ऊर्जा (CREDA) की योजनायें (गोंडी)
- स्वस्थ्य विभाग की मुख्या योजनायें (गोंडी)
- स्वस्थ्य विभाग की आयुष्मान कार्ड योजना (गोंडी)
- कस्तूरबा गाँधी बालिका आवासीय विद्यालय (गोंडी)
- उद्यानिक विभाग की योजनायें (गोंडी)
- कृषि विज्ञान केंद्र की योजनायें (गोंडी)
- महिला बाल विकास विभाग की योजनायें (गोंडी)
- मनरेगा (MGNREGA) योजना (हल्बी)
- रेशम विभाग की योजनायें (गोंडी)
- समाज कल्याण विभाग की योजनायें (गोंडी)
- स्कूल शिक्षा विभाग की योजनायें (गोंडी)
- श्रम विभाग की योजनायें (गोंडी)
- वन विभाग की योजनायें (गोंडी)
- मछली पालन विभाग की योजनायें (गोंडी)
- जिला कौशल विकास परियोजना (गोंडी)
- राजस्व विभाग (गोंडी)

गढ़बो नवा छत्तीसगढ़

दंतेवाड़ा छत्तीसगढ़

जिला दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा एक आदिवासी बाहुल्य जिला है। इस जिले में निवासरत लगभग 80 प्रतिशत लोग गोंडी, हल्बी भाषा– बोली बोलते है, जिले की साक्षरता दर कम है जिसके कारण ज्यादातर लोग शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे मे जानकारी नही रखते है और उनका लाभ नही ले पाते है। शासन द्वारा संचालित जनकल्याणकारी–रोजगार मूलक योजनाओं को पॉम्पलेट, पोस्टरों, लिखित साहित्य के माध्यम से प्रचार–प्रसार करने के बावजूद लोग शासकीय योजनाओं का लाभ नही ले पाते है, क्योंकि जो साक्षर है वे तो लिखित साहित्य के प्रचार–प्रसार सामग्री को पढ़कर लाभ ले सकते है, किन्तु जो निरक्षर है उनको बहुत मुश्किल होता है। इस समस्या से निजात दिलाने हेतु जिलाधीश श्री दीपक सोनी द्वारा क्षेत्रीय भाषा–बोली के विषय विशेषज्ञ एवं विभागीय स्थानीय युवाओं के द्वारा गोंडी, हल्बी बोली में दृश्य–श्राव्य (ऑडियो–विडियो) बनवाकर शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी जन–जन तक पहुंचाने की पहल किया गया जिसे माटा कबूड़ी (गोंडी मे जिसका मतलब संदेश वाहक है) नाम दिया गया।

एमिटी यूनिवर्सिटी, छत्तीसगढ़ में स्मार्ट इंडिया हैकथॉन के लिए आंतरिक हैकथॉन

स्मार्ट इंडिया हैकथॉन 2022 छात्रों को हमारे दैनिक जीवन में आने वाली कुछ समस्याओं को हल करने के लिए एक मंच प्रदान करने के लिए एक राष्ट्रव्यापी पहल है, और इस प्रकार उत्पाद नवाचार की संस्कृति और समस्या समाधान की मानसिकता को विकसित करता है। राष्ट्रीय स्तर के लिए टीम का चयन करने के लिए एमिटी यूनिवर्सिटी छत्तीसगढ़ ने 48 घंटे लंबे इंटरनल हैकथॉन का आयोजन किया था, जिसमें 30 टीमों ने भाग लिया है। टीमों ने अंतरिक्ष, यातायात, पर्यटन, शिक्षा, स्वास्थ्य, रक्षा आदि सहित विभिन्न क्षेत्रों से समस्या संबंधी बयान लिए थे।

डॉ ए के होता, डीडीजी और एसआईओ, एनआईसी छत्तीसगढ़ मुख्य अतिथि के रूप में समापन समारोह में शामिल हुए और श्री ए के सोमशेखर, एसटीडी, एचओडी, एनआईसी इनोवेशन डिवीजन, छत्तीसगढ़ सम्मानित अतिथि के रूप में शामिल हुए।

इस अवसर पर संबोधित करते हुए, एसआईओ ने छात्रों को एक आम नागरिक के रूप में हमारे दैनिक जीवन की समस्याओं को देखने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि कैसे शासन ने ई–गवर्नेंस से एम–गवर्नेंस तक की अपनी यात्रा शुरू की और अब एआई–गवर्नेंस तक पहुंच गई है। उन्होंने एनआईसी द्वारा विकसित एआई आधारित समाधानों के कुछ केस स्टडीज के बारे में बताये।